अमर उजाला 31/01/2026

भारत की विकास यात्रा पर की चर्चा

जीएमएन कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय बहुविषयक संगोष्ठी का उद्घाटन

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। जीएमएन कॉलेज में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय बहुविषयक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र के बाद डॉ. नेहा अग्रवाल ने सेमिनार के बारे में जानकारी दी। एसडीएम डॉ. विनेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और नीति निर्देशक तत्वों में दृढ़ता से निहित है। स्थायी विकास तभी संभव है, जब संवैधानिक मूल्यों को शासन प्रथाओं और सक्रिय जन भागीदारी में अनुवाद किया जाए। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस संगोष्ठी में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर भारत की विकास यात्रा पर विचार-विमर्श करने के लिए शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विद्वानों और शासन व प्रशासनिक सेवाओं के प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय बहुविषयक संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। कॉलेज

उन्होंने कहा कि नीति निर्देशक तत्व एक न्यायपूर्ण, समावेशी और कल्याणकारी राष्ट्र के निर्माण के लिए एक संवैधानिक रोडमैप प्रदान करते हैं। हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा पंचकूला के उप सचिव डॉ. हितेश कुमार ने स्थायी राष्ट्रीय विकास को प्राप्त करने में व्यक्तिगत उत्तरदायित्व और नैतिक नागरिकता के महत्व बताया। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दवेंद्र नरवाल ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्थानीय शासन और नागरिक भागीदारी की भूमिका पर विचार किया। प्रो. राजेश अग्रवाल अध्यक्ष महिला अध्ययन और विकास विभाग पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ने दिया। उन्होंने जोर दिया कि समावेशी राष्ट्र-निर्माण के लिए राज्य, अकादमिक संस्थानों और नागरिक समाज संगठनों के बीच निरंतर सहयोग आवश्यक है।